वैज्ञानिक विधि द्वारा लाख की खेती के माध्यम से ग्रामीणों का सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर गुआ, जोजोगुटू, सारंडा, पश्चिम सिंहभूम में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (२३-२४ मार्च,२०१५)

वन उत्पादकता संस्थान,राँची एवं जे०पी०सी०एल०,गुआ,सारंडा,पश्चिम सिंहभूम के सहभागिता द्वारा,२३ एवं २४ मार्च,२०१५ को,पश्चिम सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र के जोजोगुटू ग्राम में वैज्ञानिक बिधि द्वारा लाख की खेती के माध्यम से ग्रामीणों का सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोयित किया गया| इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आदिवासी बहुल वन क्षेत्र सारंडा के सुदूर ग्रामों के ८५ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमे प्रमुख रूप में आदिवासी बहुल क्षेत्र के प्रगतिशील किसान एवं पंचायत के प्रतिनिधि थे| इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से पलास,बेर,कुसुम एवं फ्लेमेंजिया सेमियालता पर वैज्ञानिक बिधि द्वारा लाख उत्पादन कर ग्रामीणों का सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए प्रेरित करना था| इस संस्थान के डा० शरद तिवारी ने किसानों को पलास,बेर एवं कुसुम के साथ-साथ फ्लेमेंजिया सेमियालता पर भी लाख लगाने के लिए उत्साहित किया|

दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० ए० के० पांडे, डा० संजय सिंह एवं श्री एस० एन० वैद्य, ने पलास, बेर, कुसुम पर लाख की खेती के साथ-साथ फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाख की खेती के लिए लाख पोषक पौध एवं उनका प्रबंधन पौधों की छंटाई,लाख बीज,लाख लगाने की बिधि, लाख कीट का पहचान, लाख कीट एवं लाख के दुश्मन कीटों का पहचान,एवं उनपर नियंत्रण की बिधि, लाख एवं लाख बीज का रख रखाव परिपक्वता पर लाख की कटाई के लिए विस्तृत प्रशिक्षण के साथ क्रिया कलापों का भी प्रदर्शन किया गया| ग्रामीणों को खंड प्रणाली द्वारा लाख की खेती करने के वारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी| लाख उत्पादन,लाख प्रसंश्करण,लाख बाजार एवं लाख की उपयोगिता पर भी जानकारी दी गयी|

डा०शरद तिवारी,प्रमुख,कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग,वन उत्पादकता संस्थान राँची ने प्रशिक्षण पाठ्क्रम के वाद सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्ष्ण के संबंध में जानकारी ली एवं धन्यबाद ज्ञापन किया|

"वैज्ञानिक विधि द्वारा लाह की खेती के माध्यम से
ग्रामीणों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान"
विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक : 23-24 मार्च 2015
वन उत्पादकता संस्थान

"वैज्ञानिक विधि द्वारा लाह की खेती के
ग्रामीणों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्
विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"वैज्ञानिक विधि द्वारा लाह की खेती के माध्यम से
ग्रामीणों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान"
विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

सारंडा के ग्रामीणों को दी गई लाह उत्पादन की जानकारी

भास्कर न्यूज़|किरीबुरू

सारंडा के ग्रामीणों को स्वावलम्बी बनाने की दिशा में विशेष पहल करते हुए जेनरल प्रोडयूस कम्पनी व वन उत्पादकता संस्थान (भारतीय वानिकी अनुसंधान व शिक्षा परिषद) रांची के सौजन्य से जोजोगुटु प्राथमिक विद्यालय (छोटानागरा) में दो दिवसीय लाह खेती का प्रशिक्षण आरम्भ किया गया। इसका विधिवत शुभारम्भ मनोहरपुर प्रखण्ड प्रमुख गुरूवारी देवगम द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती देवगम ने इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे ग्रामीणों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेहतर से बेहतर लाह की खेती कर आर्थिक लाभ कमाएं। इस बीच वन उत्पादकता संस्थान रांची से आए प्रशिक्षण समन्वयक (वैज्ञानिक) डॉ शरद तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजय सिंह, प्रदर्शन विशेषज्ञ एस एन वैद्य, तकनीकी जानकार टीम के एस एन मिश्रा, चर्पत कुमार सहित जेनरल प्रोड्युस कम्पनी के प्रबंधक एस एन दुबे मौजूद थे। कम्पनी की ओर से प्रबंधक एस एन दुबे, सी एस आर प्रमुख मनोज प्रभाकर, रूपेश कुमार सिंह, जितेन्द्र कुमार, सेनापती प्रधान सहीत अन्य लोग मुख्यरूप से उपस्थित थे। जबकि आयोजित दो दिवसीय इस प्रशिक्षण के दौरान सारंडा के छोटानागरा, बाईहातु, जाम कुन्डिया, धोबिल, काशियापेचा, जोजो गुट्ठु, राजाबेड़ा गाँवों से काफी संख्या में लोग शामिल हुये। "आयोजित इस प्रशिक्षण के दौरान लाह कीट का परिचय, कीटों का जीवन चक्र, लाह की उपयोगिता, रंगीनी लाह की खेती, कुसमी लाह की खेती एवं खंड प्रणाली, लाख पोषक पादक गुणधर्म एवं आर्थिक स्वरूप, दुश्मन कीटों का प्रकोप एवं निदान सहीत कई अन्य विषयों पर आधारित रहा। प्रशिक्षिण प्राप्त करने वालों के भोजन व नास्ता-चाय की भी व्यवस्था दी गई।

किरीबुरू में लाह की खेती के लिए प्रशिक्षण देते कृषि वैज्ञानिक।